माधव गाडगिल

दीमक

दीमक लकड़ी पचाने में बड़ी माहिर होती हैं। ये एक किस्म से सामाजिक कॉकरोच हैं। कॉकरोच इसलिए क्योंकि ये उनकी प्रजाति के काफी निकट हैं। और सामाजिक इसलिए क्योंकि ये अपने कामों को अलग-अलग स्तरों पर बाँटकर करते हैं, जैसे कुछ मज़दूर दीमक होती हैं, कुछ रक्षक और कुछ राजा-रानी दीमक। वैसे तो मधुमक्खियों और चींटियों में भी मज़दूर, सैनिक और राजा-रानी मक्खियों व चींटियों में काम बँटे होते हैं पर दीमक उनसे ज़रा अलग होती हैं। इनमें लिंग भेद नहीं होता। यानी मादा व नर दीमक साथ-साथ काम करते हैं।

जीव वैज्ञानिक कार्ल लीनियस ने इन्हें टरमाइट्स इसलिए कहा क्योंकि ये लकड़ी को पूरी तरह से टर्मिनेट (खत्म) कर देती हैं। लेकिन खुद बहुत लम्बे समय तक ज़िन्दा रहती हैं। बरसात में चूँकि खाने की कमी होती है इसलिए ये गर्मियों से ही अपने भोजन का प्रबन्ध करना शुरू कर देती हैं। वैसे तो दीमक कॉलोनियाँ बनाकर समूह में रहती हैं लेकिन गर्मियों में ये अपनी कॉलोनियाँ छोड़कर हवा में उड़ने लगती हैं। और ऐसा लगता है जैसे धुआँ-सा फैला हुआ हो।

उड़ने वाली दीमक बड़ी मात्रा में प्रोटीन व वसा पैदा करती हैं ताकि अपनी नई कॉलोनियाँ बना सकें और इनको अपना घर छोड़कर खाने की तलाश में इधर-उधर भटकना ना पड़े। बेशक, सभी दीमक नई कॉलोनियाँ नहीं बना पातीं। जो बना पाती हैं वे बच जाती हैं और जो नहीं बना पातीं वो भूखे मेंढकों, छिपकलियों, पक्षियों व चमगादड़ों की शिकार बन जाती हैं।

दीमकें

दीमकों को
पढ़ना नहीं आता

वे चाट जाती हैं
पूरी
किताब

नरेश सक्सेना

कुछ मज़ेदार बातें

- कुछ कॉलोनियों में मज़दूर दीमक बगीचे बनाती हैं। इनमें वे कुकुरमुत्ता आदि जैसी फफूँद उगाती हैं।
- कुछ दीमक बरसात से बचाव के लिए अपने घर पर छतरीनुमा छत बनाती हैं।
- रेगिस्तान में पाई जाने वाली दीमकों की कुछ प्रजातियाँ गर्म व सूखे मौसम में भूमिगत पानी के इस्तेमाल के लिए 125 फीट से अधिक गहरा गड्ढा खोदती हैं।
- ये कागज़ जितनी पतली दरार से भी घर में घुसकर घर के हर हिस्से में धावा बोल सकती हैं।
- मज़दूर दीमक अँधी होती हैं। वे चौबीसों घण्टे काम करती रहती हैं।
- दीमक लम्बे समय तक ज़िन्दा रहती हैं। इनकी हर कॉलोनी में एक रानी दीमक होती है जो 15-30 साल तक ज़िन्दा रहती है और हर दिन 100 तक अण्डे देती है। एक घर में कई कॉलोनियाँ हो सकती हैं।
- दीमक से होने वाले नुकसान से बचने के लिए कोई बीमा नहीं होता।

दीमक की बाम्बी